कर्तव्यों का निर्वहन करने में मीडिया की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है। मीडिया नागरिकों को उनके कर्तव्य याद दिलाने के लिए प्रेरित कर सकता है। मीडिया को भी अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी ईमानदारी के साथ करना चाहिए। क्योंकि मीडिया तथ्यों एवं सूचनाओं को प्रसारित कर समाज को सही दिशा देता है। इससे निष्कर्ष निकलता है कि हमें अपने अधिकारों के प्रति जितना सजग रहना जरूरी है उससे ज्यादा जरूरी है कि हम अपने कर्तव्यों का पालन पूरी निष्ठा से करें। हमें यह समझना चाहिए कि हमारे इन्हीं कर्तव्यों के पीछे देश और समाज का विकास छुपा है। यदि देश का हर नागरिक अपने कर्तव्यों का पालन पूरी ईमानदारी से करेगा तो देश का हर व्यक्ति सुख एवं आनन्द से अपना जीवन व्यतीत कर सकेगा तथा यह देश विकसित राष्ट्रों की सूची में प्रथम स्थान पर होगा।

मैं इस लेख को पढ़ने वाले सभी पाठकों से अनुरोध करती हूँ कि वे कर्तव्यों का निर्वहन करने में स्वयं को एवं दूसरों को प्रेरित करें। जय हिन्द !

*****

जगत में कोई नहीं परमानैन्ट

पंचराम चमोली, रूड़की

जगत में कोई नहीं, परमानैन्ट।
बाहर आकर भूल गया तू, प्रभु का एग्रीमैन्ट।
कर्मों की कसरत करते-करते, बन बैठा तू सरवैन्ट।
प्रभु नाम के बिना, तेरा कौन करे ट्रीटमैन्ट।
मोटर, बंगले, कार खरीदी, खूब किया एरेन्जमैन्ट।
मरघट घाट पे जब डेरा लगेगा, कपड़ा मिलेगा ना टैन्ट।
यमराज के दूत पकड़ ले जाएंगे, लेंगे तेरा स्टेटमैन्ट।
धर्मराज तेरी हिस्टरी सुनकर, देंगे सही जजमैन्ट।
ऐसी करनी कर चल बन्दे, कभी न हो कम्पलैन्ट।
सभी धर्मशास्त्र वेद कहते, यहाँ से जाना सौ परसैन्ट।
जगत में कोई नहीं, परमानैन्ट।

*****